Series HMJ **SET-4**

कोड नं.
Code No. **39**

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

Candidates must write the Code on the title page of the answer-book.

	नोट		NOTE
(I)	कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं ।	(I)	Please check that this question paper contains **15** printed pages.
(II)	प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।	(II)	Code number given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
(III)	कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **5** प्रश्न हैं ।	(III)	Please check that this question paper contains **5** questions.
(IV)	कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।	(IV)	Please write down the Serial Number of the question in the answer-book before attempting it.
(V)	इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।	(V)	15 minute time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

भारत की ज्ञान परंपराएँ और पद्धतियाँ

KNOWLEDGE TRADITIONS AND PRACTICES OF INDIA

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 70*

Time allowed : 3 hours *Maximum Marks : 70*

निर्देश : ***सभी*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

Instructions : *Attempt* ***all*** *questions.*

खण्ड क
(पठन कौशल)

20 अंक

1. (क) निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *10*

कृषि कार्य के लिए प्राय: सिंचाई की कुछ तकनीक की आवश्यकता होती है । नहरों, छोटे चैनलों (जलमार्गों) या ग्रामों के तालाबों जैसे सरोवरों का धन्यवाद कि पूर्णत: या अंशत: सिंचित कृषि की जाती रही । ये सरोवर जल संरक्षण के काम भी आते थे जिससे शुष्क मौसमों या लंबी अवधि वाले सूखे का सामना किया जा सके । इसी प्रकार किसान यह भी जानते थे कि फ़सल पकते समय स्वस्थ बीज की पहचान कैसे की जाती है । अच्छे बीज का महत्त्व इससे स्पष्ट समझा जा सकता है कि नीतिकार मनु ने बीजों में मिलावट करने वाले के लिए कठोर दंड की संस्तुति की है । छोटी क्यारियों में धान को बोकर छोटे पौधों को बड़े खेतों में रोपने की कला भी नवीन नहीं है । पहली शताब्दी में यह कृष्णा और गोदावरी नदियों के डेल्टाओं में पूर्ण की गई थी ।

वैदिक समय से ही पशुओं के स्वामित्व का अर्थ संपत्ति था । ऋग्वेद पशुधन और उसके प्रबन्धन के संदर्भों से भरा है । चरते हुए पशु, स्वच्छ जलाशयों से उनके लिए पानी की व्यवस्था, हरे चारे और पशु बाड़ों के संदर्भ पाए जा सकते हैं । बाद में पशुओं के छप्पर बनाए जाने लगे और उनकी स्वच्छता पर बल दिया गया । गायों को पवित्र माना गया जबकि बौद्ध और जैन धर्म ने पशु हत्या निषेध को प्रोत्साहित किया । *अर्थशास्त्र* में अन्य पदाधिकारियों के साथ 'पशु अधीक्षक' पद का उल्लेख है जो देश में पशुधन का पर्यवेक्षण करता, उनकी गणना कर उनकी उचित देखभाल सुनिश्चित करता था । पशुधन का वर्गीकरण इस प्रकार किया गया — सधे हुए पालतू, हल खींचने वाले बैल, हल चलाने योग्य बनाने के लिए प्रशिक्षित किए जाने वाले साँड, संवर्धन बैल, मांस के लिए पाला जाने वाला पशुधन, दुधारू गाय, बाँझ पशु (गाय या भैंस), तथा दो महीने तक की उम्र के बछड़े । *अर्थशास्त्र* विस्तृत चर्चा करता है कि किसी साँड, गाय या भैंस के लिए कितना चारा दिया जाना चाहिए । गाँवों के आसपास चरागाह के रखरखाव को प्रोत्साहित किया गया ।

कृषि लोकप्रिय संस्कृति का अभिन्न अंग थी और इससे पशु मेलों, मवेशियों के मेलों, उत्सवों तथा धार्मिक अनुष्ठानों में वृद्धि हुई । ऐसे उत्सवों ने न केवल स्थानीय लोगों को सुगठित रखने में सहायता की बल्कि राष्ट्रीय एकता को भी बढ़ावा दिया ।

उपर्युक्त अवतरण के सम्बन्ध में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) सिंचाई की तकनीकों और जल संरक्षण की कला पर विचार कीजिए । क्या आज की कृषि प्रणालियों में इनकी कोई प्रासंगिकता है ? *4*

(ii) प्राचीनकाल में पशुधन के महत्त्व और उसके प्रबंधन को स्पष्ट कीजिए । *4*

(iii) मेलों और पशु मेलों को आयोजित करने के क्या लाभ हैं ? *2*

SECTION A

(Reading Skills) 20 Marks

1. (a) Read the passage given below and answer the questions that follow : *10*

Agricultural practices often involve some technique of irrigation. Wholly or partly irrigated crops were raised thanks to canals, smaller channels or reservoirs such as village tanks. Reservoirs also served the purpose of water harvesting to cope with the dry seasons or prolonged droughts. Similarly farmers knew how to select healthy seed from a ripening crop. The importance of good seed was so clearly recognized that the law-giver Manu recommended severe punishment for the adulteration of seed. The art of sowing rice seed in small areas, i.e., in nurseries, and transplanting the seedlings is not a recent practice. It was first perfected in the deltas of Godavari and Krishna rivers in the 1st century CE.

Since Vedic times, owning cattle meant possessing wealth. The Ṛgveda is replete with references to cattle and their management. References can be found to grazing of livestock, provision of water from clean ponds and succulent green fodder, and livestock barns. Later, cattle sheds were constructed and cleanliness of the shed was emphasized. Cows came to be regarded as sacred, while Buddhism and Jainism promoted non-killing of all animals. Among other officers, the *Arthaśāstra* notes the 'Superintendent of cattle', who supervised livestock in the country, kept a census of livestock and ensured their proper rearing. Livestock was classified as tame steers, draft oxen, bulls to be trained to yoke, stud bulls, livestock reared for meat, buffaloes and draft buffaloes, female calves, heifers, pregnant cows, milking cows, barren livestock (either cows or buffaloes), and calves up to two months old. The *Arthaśāstra* gives an elaborate description of the rations that a bull, cow or buffalo should be supplied with. Maintenance of pastures around villages was encouraged.

Agriculture was an integral part of popular culture and gave rise to annual fairs, cattle *melas*, festivals and rituals, all of which were occasions for celebration. Such festivals not only helped to bond local communities together, but have promoted national integration.

Answer the following questions in relation to the above passage :

(i) Consider the importance of irrigational techniques and the art of saving the water. Do they have any relevance in today's agricultural systems ? *4*

(ii) Highlight the significance of cattle and their management in ancient times. *4*

(iii) What were the benefits of holding fairs and cattle *melas* ? *2*

(ख) निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *10*

भारतीय समाज सबसे प्राचीन समाजों में है जो निरंतर अस्तित्व में रहा और मोटे तौर पर उसी प्राचीन सामाजिक प्रणाली में जिसमें 'राज्य' के अनेक आयाम रहे — जैसे प्रजा के और शासकों के कर्तव्य/अधिकार, शासक के नियम और शासक तथा शासितों के शासन के नियम । इसी प्रकार समाज के भी अपने घटक हैं — विभिन्न जातियाँ या समुदायों और प्रकार्यात्मक इकाइयाँ जिन्हें हम वर्ण या जाति कहते हैं ।

भारतीय समाज इस दृष्टि से सदा अनेकत्ववादी रहा है कि इस भूमि पर अनादि काल से अनेक जातियाँ अथवा नृजातीय समुदाय रहे हैं जिनके धर्म और विश्वास भिन्न हैं, भिन्न भाषाएँ बोलते हैं, विभिन्न वेशभूषा पहनते हैं, भिन्न प्रकार के खाद्य खाते हैं, विभिन्न व्यवसाय करते हैं, सामाजिक प्रतिमान, रिवाज़ और पद्धतियाँ भिन्न हैं । किंतु अनेकता ज़मीनी स्तर पर कभी भी समाज के सुसंगत विकास में रुकावट नहीं बनी । विश्वास प्रणालियों में, ईश्वर से डरने वाले स्वभाव और अतिथि सत्कार वाले विवाद में, वृद्धों के प्रति सम्मान, ज्ञान और त्याग में, भाषा, वेश तथा खान-पान में एक अखिल भारतीय समानता है जिससे भारतीय समाज को भारतीयता की पहचान मिलती है ।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर उपर्युक्त अवतरण के सम्बन्ध में दीजिए :

(i) भारतीय समाज के विशेष लक्षणों की चर्चा कीजिए । *4*

(ii) अनेकत्ववादिता क्या है ? इसने भारतीय समाज के ताने-बाने को कभी भी बाधित क्यों नहीं किया ? *4*

(iii) किसी राज्य में नियम विनियमों की आवश्यकता क्यों पड़ती है ? *2*

खण्ड ख
(विश्लेषणात्मक कौशल) **25 अंक**

2. निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *10*

(क) भारत में नृत्य का दीर्घ इतिहास है । नृत्य से संबंधित बहुत सी सामग्री ई.पू. दूसरी सदी से लेकर 21वीं शताब्दी ईस्वी तक की उपलब्ध है । नृत्य पर प्राप्त होने वाला प्रथम ग्रंथ भरत मुनि का *नाट्यशास्त्र* (लगभग दूसरी सदी ई.पू.) है जो आज भी उपलब्ध है । इसमें नृत्य के बारे में स्पष्ट और विस्तृत विवरण है । नृत्य या तो *मार्गी* होता है या *देसी* जो सभी कलाओं पर लागू होते हैं । *मार्गी* मानक, औपचारिक परंपरा है और *देसी* लोक तथा परिवर्तनशील परंपरा ।

(b) Read the passage given below and answer the questions that follow : *10*

Indian society is among the oldest societies in continuous existence with broadly the same ancient social system in which a 'state', *rājya*, has several dimensions — the duties/rights of the ruled and the rulers, the rules of governance and the rules that govern the rulers and the ruled. In the same way, a 'society', *samāja*, has its components, the different *jātis* or communities, and functional units that we may call *varṇas* or castes.

The Indian society has always been pluralistic in that this land has been since time immemorial inhabited by many *jātīs* or ethnic communities professing different religions and faiths, speaking different languages, wearing different dresses, eating different foods, following different occupations, different social norms, customs and practices. But this plurality has never hindered a harmonious social life at the grassroots. In belief system, in being god-fearing and hospitable, respect for age, knowledge and renunciation, restraint in public conduct in matters of language, dress and eating/drinking, there is a pan-Indian commonality that has evolved over time to make the Indian society a recognizable Indian system.

Answer the following questions in relation to the above passage :

(i) Discuss the special features of Indian society. *4*

(ii) What is plurality ? Why did it never hinder the Indian social fibre ? *4*

(iii) Why are rules and regulations needed in a state ? *2*

SECTION B
(Analytical Skills) **25 Marks**

2. Read the passages given below and answer the questions that follow : *10*

(a) Dance has a long history in India. A large amount of material related to dance, dating from as early as the 2nd century BCE up to the 21st century CE, is available. The first still available classical manual on dance is Bharata Muni's *Nāṭyaśāstra* (about 2nd century BCE). It gives a clear and detailed account of dance. Dance is either *mārgī* or *deśī*, the two categories that apply to all arts. *Mārgī* is the standard, formal traditional; *deśī* is folk, variable traditions.

तीन मुख्य घटक हैं — *नाट्य, नृत्य* और *नृत्त* — जो अन्य तत्त्वों के साथ शास्त्रीय नृत्य की रचना करते हैं । *नाट्य* का संबंध नाटक से है जो मंच प्रदर्शन का एक नाटकीय तत्त्व है । भरत ने *नाट्य* की परिभाषा देते हुए कहा है, 'यह इस विश्व के देवताओं, राक्षसों, राजाओं और गृहस्थों के कार्य का अनुकरण है ।' *नृत्य* शरीर का लयात्मक संचालन है जिससे *रस* और *भाव* जुड़े होते हैं । *नृत्त* का आशय है शरीर की लयात्मक गति और पद संचालन ।

भारतीय शास्त्रीय नृत्य रूपों का पोषण मंदिरों के पवित्र परिसर में एक उद्देश्य के साथ किया गया था । कला को लोगों तक ले जाने और जनता को एक संदेश देने के विचार के साथ मंदिर नृत्य किया गया था । मंदिर के अनुष्ठानों में देवताओं को प्रसन्न करने के लिए नश्वर महिलाओं की भौतिक उपस्थिति की आवश्यकता थी । देवों को प्रसन्न करने के उद्देश्य से प्रयुक्त नृत्य का अलौकिक दृश्य धीरे-धीरे मध्य काल के मंदिरों में एक नियमित सेवा में बदल गया । संभवतः यह शास्त्रीय भारतीय नृत्यों के सबसे प्रारम्भिक कलाकारों, देवदासियों की उत्पत्ति के पीछे का कारण था । उनसे अपेक्षित था कि वे नृत्य रूपों को समर्पित रूप से आगे बढ़ाएँ और उनमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करें । वे मंदिर परिसर में ही रहते थे और नाचते थे, और उनकी वृत्ति को बड़ी धार्मिक प्रतिष्ठा मिलती थी ।

(ख) चित्रकला (पेंटिंग) जिसे प्राचीनकाल में *वर्णन* कहा जाता था, भारत में शताब्दियों से विभिन्न संस्कृतियों और परंपराओं के मेल से विकसित हुई है । भारत की सबसे प्राचीन चित्रकलाएँ प्रागैतिहासिक काल के शिला-चित्र हैं जो सारे भारत में विशेषकर मध्य प्रदेश का पुरापाषाण कालीन भीमबेटका नामक शिला आश्रय स्थलों में हैं । ये लगभग 10,000 वर्ष पुराने शिलाचित्र हैं जिनमें प्राचीन मानव की दिलचस्पी के विषय प्रदर्शित हैं — भोजन, कठिन परिवेश में अस्तित्व और पशुओं को वश में करने के संघर्षों का चित्रण । प्राय: खनिजों से प्राप्त रंग उपयोग में लाए गए हैं और गहरी गुफाओं में होने से या भीतरी दीवारों से घिरे होने के कारण सुरक्षित हैं ।

भारत के प्राचीन साहित्यिक ग्रंथ जैसे रामायण और महाभारत में चित्रकला वीथिकों या चित्रशालाओं का उल्लेख है । कला और शिल्प शास्त्र के ग्रंथों में भी भित्तिचित्रों तथा लघुचित्रों के साथ-साथ काष्ठ तथा वस्त्रों पर बनाए चित्रों का उल्लेख मिलता है । सबसे विस्तृत ग्रंथ है — *विष्णुधर्मोत्तर पुराण* जिसमें नृत्य, संगीत और दृश्य कलाओं की परस्पर निर्भरता का उल्लेख है ।

भारतीय साहित्य ऐसे उल्लेखों से परिपूर्ण है जिनमें संभ्रांत लोगों के महलों का वर्णन है जो चित्रकलाओं से सज्जित होते थे । किन्तु अजंता की गुफाएँ सबसे महत्त्वपूर्ण हैं ।

There are three main components — *nāṭya*, *nṛtya* and *nṛtta* — which together with other elements make up the classical dance. *Nāṭya* corresponds to drama; it is the dramatic element of a stage performance. Bharata defines *nāṭya* as 'a mimicry of the exploits of gods, demons, kings, as well as of householders of this world'. *Nṛtya* is the rhythmic movement of the body in dance combined with emotion or *rasa* and *bhāva*. *Nṛtta* stands for rhythmic movements and steps.

Indian classical dance forms were nurtured with a purpose in the sacred premises of temples. Temple dancing was imbued with the idea of taking art to the people and conveying a message to the masses. The temple rituals necessitated the physical presence of mortal women to propitiate the gods. The allegorical view of dance, used for the purpose of the pleasing the *devas*, was gradually transformed into a regular service in the temples of the medieval times. This was possibly the reason behind the origin of *devadāsīs*, the earliest performers of the classical Indian dances. They were supposed to pursue the dance forms devotedly and excel in them. They lived and danced only in the temple premises, their vocation enjoying great religious prestige.

(b) Painting, *citrakala* in Hindi and anciently called *varnana*, evolved in India through a fusion of various cultures and traditions over centuries. The earliest paintings in India are rock paintings of pre-historic times, found all over India, especially in places like the Palaeolithic Bhimbetka rock shelters in Madhya Pradesh whose almost 10,000-year old rock paintings display the concerns of early man — food, survival in a difficult environment and struggle in subduing animals. The colours used are mostly of mineral origin and have survived because the paintings were deep inside the caves or on inner walls.

Early literary compositions of India such as Ramayana and Mahabharata, make many references to art galleries or *citrasalas*. The *silpa sastra* texts of art and architecture deal with the art of mural and miniature painting and also paintings executed on wood and cloth. The most comprehensive text is the *Vishnudharmottara Purana* which deals with the interdependence of dance, music and visual arts.

India's literature is replete with texts that describe places of the aristocratic class embellished with paintings but the paintings of the caves of Ajanta are the most significant.

प्रश्न :

(i) अवतरण के संदर्भ में तुलना करते हुए स्पष्ट कीजिए कि नृत्यों के स्वरूप और जन समूह को संदेश देने की विधियों में क्या अंतर आया है । *6*

(ii) प्राचीन चित्रकलाओं में इतिहास पर बल दिया गया है जबकि दूसरी ओर आधुनिक कला परिवर्तनशील समय और विविध दृष्टियों पर ध्यान केन्द्रित करती है । दोनों में तुलना कीजिए और अपने कुछ विचारों को आधुनिक चित्रकला/कला से भी संबद्ध कीजिए । *4*

3. निम्नलिखित दो प्रश्नों में से किसी ***एक*** का उत्तर लगभग 300 – 400 शब्दों में दीजिए : *15×1=15*

(i) शिल्पकला पर मॉड्यूल में उल्लेख है कि *"भारत के विभिन्न भागों में पत्थर काटकर बनाई गई गुफाओं में उन शिलाओं की विशेषता के अनुसार अंतर आया है जिन्हें काटकर वे बनाई गई हैं ।"* गुफा मंदिरों में शिलाएँ काटकर निर्मित विभिन्न निर्माणों का विस्तृत वर्णन कीजिए ।

(ii) शिक्षा पर दिए गए मॉड्यूल का संदर्भ ग्रहण करते हुए लिखिए कि प्राचीनकाल में भारत में प्रचलित शिक्षा के बारे में आपकी सामान्य धारणा क्या बनती है ? आज के संदर्भ में यह कितनी प्रासंगिक है ?

खण्ड ग

(चिंतन कौशल) **25 अंक**

4. निम्नलिखित छह प्रश्नों में से किन्हीं ***पाँच*** प्रश्नों के उत्तर 30 – 40 शब्दों में दीजिए : *3×5=15*

(i) मानव की इच्छाओं की पूर्ति के लिए आवश्यक जीवन के चार पुरुषार्थ (लक्षण) क्या हैं ?

(ii) *भांगड़ा* लोक नृत्य की प्रासंगिकता का वर्णन कीजिए ।

(iii) आतिशबाज़ी पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ।

(iv) परम उद्देश्य [*मोक्ष*] प्राप्त करने के लिए मनुष्य को क्या करना होता है ?

(v) 'आदिम-बागवानी' (अबोरी-हॉर्टीकल्चर) से आप क्या समझते हैं ?

(vi) मस्जिद की प्रमुख विशेषताओं की रूपरेखा बताइए ।

Questions :

(i) With reference to the passage, compare and contrast how differently the dance forms and their manner of conveying message to the masses has changed. *6*

(ii) The emphasis of ancient paintings is on history and on the other hand, modern day art focuses on changing times and different perceptions. Compare and contrast the two and relate some of your views to the present day paintings/art. *4*

3. Answer (in 300 – 400 words) any ***one*** of the following two questions : *15×1=15*

(i) The module on Architecture states that *"The rock-cut caves of different parts of India developed variations depending upon the nature of the rock into which they were carved."* Elaborate on the various rock-cut structures constructed in cave temples.

(ii) Referring to the module on Education, what general impression do you get about the education system that prevailed in India in the ancient times ? How far is it relevant in the present context ?

SECTION C
(Thinking Skills) 25 Marks

4. Answer briefly (in 30 – 40 words) any ***five*** out of six short answer questions : *3×5=15*

(i) What are the four ends of life (purusharthas) required for fulfilling human desires ?

(ii) Describe the relevance of *Bhangra* folk dance.

(iii) Write a short note on pyrotechnique.

(iv) What does one need to do to attain the supreme goal [*moksa*] ?

(v) What do you understand by 'abori-horticulture' ?

(vi) Outline the salient features of a mosque.

5. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए । *1×10=10*

(i) *मनुस्मृति* में खाने योग्य दो मछलियों का उल्लेख किया गया है । वे हैं _____ ।

(क) रोहू और कटला

(ख) पाथेन और हिल्सा

(ग) कटला और हिल्सा

(घ) रोहू और पाथेन

(ii) प्राचीनकाल में, *सादीरट्टम* के रूप में *भरतनाट्यम्* प्रस्तुत किया जाता था मंदिर की _____ के द्वारा ।

(क) देवदासियों

(ख) महिलाओं

(ग) राजकीय नृत्यांगनाओं

(घ) सेविकाओं

(iii) पाँचवीं शताब्दी की प्रारंभिक हिंदू गुफाएँ हैं

(क) अजंता, महाराष्ट्र

(ख) उदयगिरि, मध्य प्रदेश

(ग) बैराट, राजस्थान

(घ) मामल्लपुरम्, तमिल नाडु

(iv) राजा भाग्यचन्द्र के शासनकाल में जन्मा प्रसिद्ध *रासलीला* नृत्य किस राज्य का है ?

(क) गुजरात

(ख) कर्नाटक

(ग) पंजाब

(घ) मणिपुर

5. Select the most appropriate answer out of the options given for each question : *1×10=10*

(i) *Manusmriti* names two fishes as suitable for food. They are _____ .

(a) Rohu and Katla

(b) Pathen and Hilsa

(c) Katla and Hilsa

(d) Rohu and Pathen

(ii) In ancient times, the *Bharatanatyam* was performed as *Sadirattam* by temple _____ .

(a) Devadasis

(b) Women

(c) Royal dancers

(d) Servants

(iii) The earliest Hindu caves belonging to 5^{th} century can be seen at _____ .

(a) Ajanta, Maharashtra

(b) Udayagiri, Madhya Pradesh

(c) Bairath, Rajasthan

(d) Mamallapuram, Tamil Nadu

(iv) The famous *Rasalila* dances that originated during the reign of King Bhagyachandra are from _____ .

(a) Gujarat

(b) Karnataka

(c) Punjab

(d) Manipur

(v) *अपौरुषेय* ग्रंथ हैं _____ ।

(क) ध्वनिविज्ञान और व्याकरण

(ख) शास्त्र और काव्य

(ग) वेद और काव्य

(घ) वेद और वेदांग

(vi) संस्कृत शब्दसंग्रह _____ बारह प्रकार की भूमि का वर्णन करता है ।

(क) मुल्लै

(ख) मनुस्मृति

(ग) अमरकोष

(घ) पनकीकला

(vii) *रागमाला* चित्रों से कौन-सी चित्र शैली संबंधित है ?

(क) मधुबनी

(ख) लघु (मिनीएचर)

(ग) पटचित्र

(घ) कलमकारी

(viii) शब्दार्थ के अध्ययन का विज्ञान है _____ ।

(क) काश्यप

(ख) व्याकरण

(ग) निरुक्त

(घ) धातु

(v) The *apauruṣeya* texts are _____ .

(a) Phonetics and Grammar

(b) Shastras and Kavya

(c) Vedas and Kavya

(d) Vedas and Vedangas

(vi) The _____, a Sanskrit thesaurus describes twelve types of lands.

(a) Mullai

(b) Manusmriti

(c) Amarakosa

(d) Pankikala

(vii) Which painting style is associated with *Ragamala* paintings ?

(a) Madhubani

(b) Miniature

(c) Pattachitra

(d) Kalamkari

(viii) _____ is the science of the study of the meaning of words.

(a) Kasyapa

(b) Vyakarana

(c) Nirukta

(d) Dhatu

(ix) *हरिवंश पुराण* के अनुसार मल्लयुद्ध (कुश्ती) कला के दो विशेषज्ञ कौन थे ?

(क) भीम और श्रीकृष्ण

(ख) दुर्योधन और श्रीकृष्ण

(ग) दुर्योधन और बलराम

(घ) श्रीकृष्ण और बलराम

(x) पटोली _____ की महिला नृत्यांगनाओं का विशेष वस्त्र है ।

(क) आन्ध्र प्रदेश

(ख) पश्चिम बंगाल

(ग) नागालैंड

(घ) मणिपुर

(ix) According to the *Harivaṁśa Purāṇa*, who were the two masters of the art of wrestling ?

(a) Bhima and Sri Krishna

(b) Duryodhana and Sri Krishna

(c) Duryodhana and Balarama

(d) Sri Krishna and Balarama

(x) Patoli is the typical costume of the female dancers of _____ .

(a) Andhra Pradesh

(b) West Bengal

(c) Nagaland

(d) Manipur